Regarding approval to Kapilvastu Corridor

माननीय सभापति **:** श्री भजन लाल जाटव जी ? उपस्थित नहीं ।

श्री जगदम्बिका पाल जी ।

श्री जगदम्बिका पाल **(**डुमरियागंज**) :** माननीय सभापति जी, मैं आपका आभारी हूँ कि आपने मुझे शून्य प्रहर में एक अत्यन्त लोक महत्व के विषय को उठाने का अवसर दिया ।

सम्पूर्ण भारत पूरी दुनिया के बौद्ध धर्मावलम्बियों के लिए एक स्प्रिचुअल सेन्टर है । देश के ऐसे चार महत्वपूर्ण स्थान हैं । चाहे बोध गया हो, जहाँ गौतम बुद्ध को ज्ञान की प्राप्ति हुई, सारनाथ हो, जहाँ उन्होंने बौद्ध धर्म का प्रथम उपदेश दिया, कुशीनगर हो, जिसे उनकी महापरिनिर्वाण स्थली के रूप में जाना जाता है और पूरी दुनिया के बौद्ध धर्म के लोग उनकी पूजा करते हैं । वहीं कपिलवस्तु है, जहाँ उन्होंने सिद्धार्थ के रूप में, अपने बाल्यकाल में, राजा शुद्धोधन के राजप्रासाद में 29 वर्ष बिताए । वहीं से उनको वैराग्य हुआ । आज उस कपिलवस्तु के लिए मैं यहाँ बोल रहा हूँ क्योंकि जब हमारी सरकार है, तो जहाँ महाकाल कॉरिडोर हो या काशी विश्वनाथ कॉरिडोर हो या अयोध्या कॉरिडोर हो, आज आवश्यकता है कि देश में पूरी दुनिया में, चाहे थाईलैंड, सिंगापुर, जापान, मलेशिया, इंडोनेशिया हो, बौद्ध धर्म के मानने वाले लाखों लोग वहाँ प्रतिवर्ष आते हैं । इसलिए कपिलवस्तु, जहाँ गौतम बुद्ध 29 वर्षों तक रहे, माननीय सभापति जी, कृपया सुनिए ।

इसका उल्लेख सम्राट अशोक के शिलालेखों में भी है, ह्वेनसांग और फाहियान की यात्रा-वृत्तांतों में भी इसका उल्लेख है कि कपिलवस्तु गौतम बुद्ध की आध्यात्मिक स्थली और बौद्ध धर्म के केन्द्र के रूप में था । आज उसके विकास की जरूरत है ।

मैं आपके माध्यम से सरकार से कहना चाहता हूँ कि जब पूरी दुनिया के बौद्ध धर्म के मानने वाले लोग सारनाथ, बोध गया, कुशीनगर, कपिलवस्तु आते हैं, तो आज कपिलवस्तु को बौद्ध कॉरिडोर के रूप में विकसित करने की आवश्यकता है । माननीय सदस्य रवि किशन जी के जिले गोरखपुर से कुशीनगर, प्रधानमंत्री जी के क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले सारनाथ से कपिलवस्तु को जोड़ा जाए । जिस तरह से, कुम्भ के बाद हमारा देश एक बहुत बड़ा रिलीजियस टूरिज्म का हब बन रहा है । आज हम पूरी दुनिया को आध्यात्मिक दिशा दे रहे हैं । पूरी दुनिया के लोग बौद्ध धर्म को मानते हैं ।

माननीय सभापति **:** ठीक है, आपकी बात पूरी हो गई । आपने बहुत अच्छा विषय उठाया है । कृपया बैठ जाएं ।

श्री जगदम्बिका पाल **:** गौमत बुद्ध की करूणा, शांति और अहिंसा के सन्देश को पूरी दुनिया मानती है । इसलिए मैं आपके माध्यम से कहना चाहता हूँ कि सिद्धार्थ नगर में कपिलवस्तु को बौद्ध कॉरिडोर के रूप में विकसित किया जाए ।